NEWSLETTER

शनिवार, 09 दिसंबर 2023 | वॉल्यूम - 75

Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

देसी कपास में गुलाबी इल्ली का प्रकोप कम होता है

GOLD : 63355
SILVER : 77965
CRUDE OIL : 5946

'भारत होगा सबसे बड़ा कपास उत्पादक'

कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि भारतीय कपड़ा उद्योग 2030 तक $250 बिलियन का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसमें 100 बिलियन डॉलर का निर्यात भी शामिल है; वैश्विक कपास उत्पादक देशों की बैठक का उद्घाटन किया; 'कस्तूरी कॉटन भारत' भी पेश किया गया है, जो एक 'ब्लॉकचेन ट्रेसेबल' कपड़ा ब्रांड है

कपड़ा, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को मुंबई में कपास उत्पादक और उपभोक्ता देशों की संयुक्त राष्ट्र मान्यता प्राप्त संस्था की वार्षिक वैश्विक बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा कपास उत्पादक बनने का प्रयास करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (आईसीएसी) के 81वें पूर्ण सत्र में मंत्री ने कहा कि भारत में कपास की खेती का सबसे बड़ा क्षेत्र है और यह दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। "हमें दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की जरूरत है," श्री गोयल ने जोर देकर कहा कि कपास पर कपड़ा सलाहकार समूह ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के स्तर के समान उत्पादकता में सुधार की दिशा में काम करेगा।

भारत सूती वस्त्र और तकनीकी वस्त्र क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान करेगा। इसके दो सलाहकार समूह हैं - कपास और मानव निर्मित फाइबर के लिए। इन समूहों में संपूर्ण कपड़ा मूल्य श्रृंखला का प्रतिनिधित्व होता है और ये क्षेत्र के प्रतिनिधियों के इनपुट के साथ नीतिगत निर्णय लेते हैं। भारत ने मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने और संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार की एक योजना - पीएम मित्र भी लॉन्च की है।

श्री गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन तकनीकी वस्त्रों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देता है। ये मानव निर्मित कपड़े हैं जो किसी विशिष्ट कार्य के लिए बनाए जाते हैं और आमतौर पर परिधान या सौंदर्य अपील के लिए उपयोग नहीं किए जाते हैं

उन्होंने कहा, भारतीय कपड़ा उद्योग 2030 तक 250 अरब डॉलर का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसमें 100 अरब डॉलर का निर्यात भी शामिल है।

श्री गोयल ने "कस्तूरी कॉटन भारत" की शुरुआत करते हुए कहा, एक पखवाड़े में, कपड़ा मंत्रालय और उपभोक्ता मामलों का विभाग देश भर में अत्याधुनिक परीक्षण प्रयोगशालाएं खोलेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत से उच्च गुणवत्ता वाले कपड़ा उत्पादों का निर्माण और निर्यात किया जा सके। ब्रांड, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग करके इसका पता लगाया जा सकता है, और यह "कार्बन पॉजिटिव" होगा।

कार्यक्रम में कस्तूरी कपास से बने कपड़ा उत्पादों का पहला सेट भी पेश किया गया। मंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रधान मंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए ड्रोन-आधारित कीटनाशक छिड़काव से भारतीय कपास किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि नवाचार और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के उपयोग से भारतीय कपास किसानों को लाभ होगा।

"कपास मूल्य श्रृंखला: वैश्विक समृद्धि के लिए स्थानीय नवाचार" विषय पर चार दिवसीय कार्यक्रम में 35 देशों के प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE
FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 09.12.2023

ICE COTTON			
MONTH	01.12.23	08.12.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	79.42	81.44	2.02
MAY	80.12	82.04	1.92
JULY	80.77	82.45	1.68
MCX (COTTON)			
JAN	57280	57200	-80
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1562	1592	30
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2945	2945	0
JAN	2891	2846	-45
FEB	2894	2831	-63
SMART INFO SERVICE	CALL : 91119 77775		
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.29	83.39	0.1
PAK (Pakistani Rupee)	285.334	284.062	-1.272
CNY (Chinese yuan)	7.07519	7.16271	0.08752
BRAZIL (Real)	4.88060	4.91330	0.0327
AUSTRALIAN Dollar	1.49835	1.52021	0.02186
MALAYSIAN RINGGITS	4.67298	4.66621	-0.00677
COTLOOK "A" INDEX	90.30	92.70	2.4
BRAZIL COTTON INDEX	79.53	79.55	0.02
USDA SPOT RATE	75.03	77.44	2.41
MCX SPOT RATE	55800	55660	-140
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17000	17000	0
GOLD ($)	2003.70	2020.70	17
SILVER ($)	23.380	23.295	-0.085
CRUDE ($)	75.17	71.26	-3.91

दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह इंटरनेशल कॉटन मार्केट में बढ़त देखने को मिली |

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के मार्च 24, मई, 24 और जुलाई माह के लिए कॉटन के भाव क्रमशः 2.02, 1.92 और 1.68 सेंट तक भाव बढ़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में गिरावट देखी गई। जनवरी माह के सौदे के भाव में 80 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट आयी |

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव 30 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वही खल के भाव में क्रमश जनवरी और फरवरी माह में 45 और 63 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई।

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई , यूएसडीए स्पॉट रेट 2.41 सेंट बढ़ा और एमसीएक्स स्पॉट रेट 140 रूपए प्रति खण्डी गिरा, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 0.02 अंक की बढ़त दर्ज की गई है।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	04.12.23	05.12.23	06.12.23	07.12.23	08.12.23	09.12.23
PUNJAB	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
HARYANA	7,000	8,000	8,000	8,000	7,500	7,500
UPPER RAJASTHAN	8,000	8,000	9,000	9,000	9,000	12,000
LOWER RAJASTHAN	5,000	5,600	4,500	4,500	5,500	5,000
NORTH ZONE	22,000	23,600	23,500	23,500	24,000	26,500
GUJRAT	36,000	34,000	35,000	32,000	32,000	30,000
MADHYA PRADESH	10,000	12,000	12,000	12,000	13,000	11,000
MAHARASHTRA	23,000	25,000	22,000	20,000	20,000	20,000
CENTRAL ZONE	69,000	71,000	69,000	64,000	65,000	61,000
KARNATAKA	18,000	15,000	17,000	15,000	17,000	18,000
ANDHRA PRADESH	8,000	4,000	5,000	5,000	7,000	8,000
TELANGANA	20,000	20,000	15,000	15,000	15,000	20,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	46,000	39,000	37,000	35,000	39,000	46,000
ODISHA	500	400	200	200	400	500
TOTAL	137,500	134,000	129,700	122,700	128,400	134,000
ARRIVAL IN 170 Kg.						

देसी कपास में गुलाबी इल्ली का प्रकोप कम होता है

देसी कपास की किस्में कुछ कीटों के प्रति सहनशीलता प्रदर्शित करती हैं: कृषि मंत्रालय ने राज्यसभा को बताया

केंद्र ने शुक्रवार को संसद को बताया कि कपास की फसल में गुलाबी बॉलवर्म के संक्रमण में कमी देखी गई है।

नागपुर स्थित केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने राज्यसभा में एक जवाब में कहा कि 2017-18 के दौरान संक्रमण 30.62 प्रतिशत से कम होकर 10.80 हो गया है। 2022-23 में प्रतिशत।

इसमें कहा गया है कि देश भर के उत्तर, मध्य और दक्षिण क्षेत्र के सभी कपास उत्पादक क्षेत्रों में पिंक बॉलवर्म का संक्रमण देखा जाता है।

इस खतरे से निपटने के लिए किए गए प्रयासों पर, मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी एंड आरसी) - कीटनाशकों के पंजीकरण के अनुदान के लिए आवेदन के प्रसंस्करण के लिए नियामक निकाय - ने गुलाबी बॉलवर्म के नियंत्रण के लिए 50 कीटनाशक फॉर्मूलेशन के पंजीकरण की अनुमति दी है। और बॉलवॉर्म कॉम्प्लेक्स।

सीआईबी एंड आरसी ने गुलाबी बॉलवर्म आबादी की निगरानी और जाल में फंसाने के लिए फेरोमोन [पीबी रोप एल (गॉसीप्लर) फेरोमोन डिस्पेंसर] के पंजीकरण की भी अनुमति दी है।

इसके अलावा, पादप संरक्षण संगरोध और भंडारण निदेशालय नियमित रूप से गुलाबी बॉलवर्म के प्रबंधन के लिए सलाह जारी करता है। गुलाबी बॉलवॉर्म के प्रबंधन के लिए एकीकृत कीट प्रबंधन दृष्टिकोण अपनाने पर कपास की फसल पर किसान फील्ड स्कूल भी आयोजित किए जा रहे हैं।

देसी कपास की सहनशीलता

"देसी" कपास पर एक अलग प्रश्न के लिए, मंत्रालय ने कहा कि विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि "देसी" कपास की प्रजाति गॉसिपियम आर्बोरियम कपास की पत्ती कर्ल वायरस रोग से प्रतिरक्षित है; रस चूसने वाले कीटों (सफ़ेद मक्खी, थ्रिप्स और जैसिड्स), और बीमारियों (बैक्टीरियल ब्लाइट और अल्टरनेरिया रोग) के प्रति तुलनात्मक रूप से सहनशील; लेकिन ग्रे फफूंदी रोग के प्रति संवेदनशील। देसी कपास की प्रजातियाँ नमी के तनाव के प्रति भी सहनशीलता दिखाती हैं।

मुख्य लंबाई पर, मंत्रालय के उत्तर में कहा गया है कि देश के विभिन्न कपास उत्पादक क्षेत्रों/राज्यों में व्यावसायिक खेती के लिए जारी की गई 77 गॉसिपियम आर्बोरियम कपास किस्मों में से चार लंबी लाइन वाली किस्में जैसे पीए 740, पीए 810, पीए 812 और पीए 837 विकसित की गईं। परभणी स्थित वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ (वीएनएमकेवी) द्वारा, 28-31 मिमी स्टेपल लंबाई वाले हैं; और बाकी 73 किस्मों की मुख्य लंबाई 16-28 मिमी की सीमा में है।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

अमेरिकी परिधान खरीदार द्वारा नया एलसी क्लॉज ने चिंता बढ़ाई।
परिधान कारखाने के मालिक चिंतित हैं क्योंकि एक अमेरिकी कपड़ा खुदरा विक्रेता ने हाल ही में कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका, यूरोपीय संघ या यूके द्वारा स्वीकृत "किसी भी देश, क्षेत्र, पार्टी से जुड़े लेनदेन को संसाधित नहीं करेगा"। पिछले महीने बांग्लादेश में एक परिधान निर्यातक के लिए जारी किए गए लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) में इसका उल्लेख किया गया था।

अदिलाबाद जिले में बेमौसम बारिश से कपास की फसल को नुकसान पहुंचा है
पिछले दो दिनों के दौरान असामयिक बारिश और तत्कालीन आदिलाबाद जिले में कोहरे के मौसम के कारण कई कपास किसानों को नुकसान हुआ है। खेतों में खड़ी कपास की फसल भीग गई है. बीजकोषों के काले होने की सम्भावना रहती है। बाजार में ऐसी अधिक नमी वाली कपास की ज्यादा मांग नहीं होगी.

बांग्लादेश ने बीटी कपास की डेमो ट्रायल खेती शुरू की
ट्रांसजेनिक किस्मों को 13 उत्पादन क्षेत्रों, 5 अनुसंधान केंद्रों में उगाया जा रहा है अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने कहा है कि बांग्लादेश ने 13 उत्पादन क्षेत्रों और पांच कपास अनुसंधान केंद्रों में बीटी (बैसिलस थुरिंजिएन्सिस) कपास की दो किस्मों के "प्रदर्शन परीक्षणों" के लिए सीमित खेती शुरू की है।

सीसीआई एमएसपी पर कपास खरीदने को सहमत, लेकिन शर्तें तय कीं
बठिंडा: भारतीय कपास निगम (सीसीआई) ने मंगलवार को अबोहर में किसानों को आश्वासन दिया कि वह 7 दिसंबर से स्थानीय अनाज बाजार में कपास की खरीद फिर से शुरू करेगी, लेकिन उसने दो शर्तें रखीं - कपास घटिया गुणवत्ता का नहीं हो सकता। और एक ढेर में फसल का वजन 30 क्विंटल से अधिक नहीं हो सकता।

ब्राज़ील के कपास उत्पादन में वृद्धि: 2023/24 में बढ़ता उत्पादन और वैश्विक प्रभुत्व
एक ऐतिहासिक मील के पत्थर की शुरुआत करते हुए, ब्राजील के कपास क्षेत्र को विपणन वर्ष 2023/24 में 14.7 मिलियन गांठ के रिकॉर्ड-तोड़ उत्पादन की उम्मीद है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका को पीछे छोड़ देगा। इष्टतम मौसम की स्थिति और विपणन समयरेखा में एक रणनीतिक बदलाव के कारण, ब्राजील की कपास की ताकत वैश्विक व्यापार की गतिशीलता को नया आकार देने के लिए तैयार है, जिसमें निर्यात 11 मिलियन गांठ तक बढ़ जाएगा और स्टॉक समाप्त हो जाएगा जो अंतरराष्ट्रीय कपास बाजार में देश की प्रभावशाली भूमिका को दर्शाता है।

कॉटन फिजिकल मार्केट दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह कॉटन के भाव में बढ़त का माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए बढ़त वाला रहा। नार्थ, साउथ और सेंट्रल तीनो झोनो में बढ़त देखी गई ।

नार्थ झोन में पंजाब और अपर राजस्थान में 50 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखी गई। जबकि हरयाणा में 100 रुपए प्रति मंड की तेजी देखने को मिली |

वही सेंट्रल झोन में गुजरात और मध्यप्रदेश में 400 200 और 200 रुपए प्रति खण्डी की बढ़त देखने को मिली | वही महाराष्ट्र स्थिर रहा।

साउथ झोन मार्केट में भी बढ़त जारी रही। कर्णाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्रमशः 500, 1000 और 800 रुपय प्रति खण्डी की बढ़त देखि गई। ओडिशा मार्किट स्थिर रहा।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 09.12.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.12.23		09.12.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,325	5,425	5,400	5,475	50
HARYANA	27.5/28	5,200	5,200	5,250	5,350	150
UPER RAJASTHAN	28	5,000	5,400	5,000	5,450	50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54,800	55,500	55,700	55,900	400
MADHYA PRADESH	29	54,500	55,000	54,800	55,200	200
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,500	55,500	55,000	55,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	56,200	56,300	56,100	56,300	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	54,500	55,000	55,200	55,500	500
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	53,500	54,500	54,000	55,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	55,500	55,600	55,800	56,400	800

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 09 December 2023 | *Volume - 75*

Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

Pink bollworm infes-tation comes down in Desi cotton

GOLD : 63355
SILVER : 77965
CRUDE OIL : 5946

'India will be the largest cotton producer'

Textiles Minister Piyush Goyal says the Indian textile industry is working towards achieving a target of $250 billion by 2030, including exports worth $100 billion; Inaugurates meeting of global cotton producing countries; Also introduced is 'Kasturi Cotton Bharat', a 'blockchain traceable' textile brand

Textiles, Commerce and Industry Minister Piyush Goyal, while inaugurating the annual global meeting of the UN-recognized body of cotton producing and consuming countries in Mumbai on Saturday, said India will strive to become the largest cotton producer globally.

Addressing the 81st Plenary Session of the International Cotton Advisory Committee (ICAC), the Minister said India has the largest area under cotton cultivation and is the second largest producer. "We need to become the world's largest producer," Mr Goyal said, stressing that the Textile Advisory Group on Cotton will work towards improving productivity to the level of countries like Australia.

India will provide leadership in cotton textiles and technical textiles sector. It has two advisory groups – for cotton and man-made fibres. These groups represent the entire textile value chain and take policy decisions with input from sector representatives. India has also launched PM MITRA – a central government scheme to set up mega textile parks and promote the entire value chain.

Shri Goyal said that the National Technical Textiles Mission promotes research and development in technical textiles. These are man-made fabrics that are made for a specific function and are not usually used for apparel or aesthetic appeal.

He said, the Indian textile industry is working towards achieving the target of $250 billion by 2030, which includes exports of $100 billion.

Launching "Kasturi Cotton Bharat", Shri Goyal said, in a fortnight, the Ministry of Textiles and the Department of Consumer Affairs will open state-of-the-art testing laboratories across the country to ensure that high quality textile products are manufactured and exported from India. To be. The brand, which he claimed would be traceable using blockchain technology, and would be "carbon positive."

The first set of textile products made from musk cotton was also introduced at the event. The minister said Indian cotton farmers will benefit from drone-based pesticide spraying recently launched by Prime Minister Modi. He said the use of innovation and Internet of Things will benefit Indian cotton farmers.

Delegates from 35 countries are expected to participate in the four-day event on the theme "Cotton Value Chain: Local Innovation for Global Prosperity".

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77771

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 09.12.2023

ICE COTTON			
MONTH	01.12.23	08.12.23	WEEKLY CHANGE
MARCH	79.42	81.44	2.02
MAY	80.12	82.04	1.92
JULY	80.77	82.45	1.68
MCX (COTTON)			
JAN	57280	57200	-80
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1562	1592	30
NCDEX (COCUD KHAL)			
DEC	2945	2945	0
JAN	2891	2846	-45
FEB	2894	2831	-63
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.29	83.39	0.1
PAK (Pakistani Rupee)	285.334	284.062	-1.272
CNY (Chinese yuan)	7.07519	7.16271	0.08752
BRAZIL (Real)	4.88060	4.91330	0.0327
AUSTRALIAN Dollar	1.49835	1.52021	0.02186
MALAYSIAN RINGGITS	4.67298	4.66621	-0.00677
COTLOOK "A" INDEX	90.30	92.70	2.4
BRAZIL COTTON INDEX	79.53	79.55	0.02
USDA SPOT RATE	75.03	77.44	2.41
MCX SPOT RATE	55800	55660	-140
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17000	17000	0
GOLD ($)	2003.70	2020.70	17
SILVER ($)	23.380	23.295	-0.085
CRUDE ($)	75.17	71.26	-3.91

Growth was seen in the international cotton market in the first week of December.

Cotton prices for the months of March 24, May, 24 and July on the International Cotton Exchange increased by 2.02, 1.92 and 1.68 cents respectively.

A decline was seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The deal price for the month of January fell by Rs 80 per candy.

On NCDEX, cotton prices increased by Rs 30 per 20 kg, while the price of cotton fell by Rs 45 and Rs 63 per quintal in the months of January and February respectively.

If we look at the cotton market of other countries, an increase was seen in the Cotlook "A" index, USDA spot rate increased by 2.41 cents and MCX spot rate fell by Rs 140 per tranche, while an increase of 0.02 points was recorded on the Brazilian Cotton Index.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	04.12.23	05.12.23	06.12.23	07.12.23	08.12.23	09.12.23
PUNJAB	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000	2,000
HARYANA	7,000	8,000	8,000	8,000	7,500	7,500
UPPER RAJASTHAN	8,000	8,000	9,000	9,000	9,000	12,000
LOWER RAJASTHAN	5,000	5,600	4,500	4,500	5,500	5,000
NORTH ZONE	22,000	23,600	23,500	23,500	24,000	26,500
GUJRAT	36,000	34,000	35,000	32,000	32,000	30,000
MADHYA PRADESH	10,000	12,000	12,000	12,000	13,000	11,000
MAHARASHTRA	23,000	25,000	22,000	20,000	20,000	20,000
CENTRAL ZONE	69,000	71,000	69,000	64,000	65,000	61,000
KARNATAKA	18,000	15,000	17,000	15,000	17,000	18,000
ANDHRA PRADESH	8,000	4,000	5,000	5,000	7,000	8,000
TELANGANA	20,000	20,000	15,000	15,000	15,000	20,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	46,000	39,000	37,000	35,000	39,000	46,000
ODISHA	500	400	200	200	400	500
TOTAL	137,500	134,000	129,700	122,700	128,400	134,000

ARRIVAL IN 170 Kg.

Pink bollworm infestation comes down in Desi cotton

Desi cotton varieties exhibit tolerance to some pests: Agri Ministry tells Rajya Sabha

Infestation of pink bollworm in the cotton cropthere has witnessed a decline, the Centre told Parliament on Friday.

Referring to a survey conducted by the Nagpur-based Central Institute for Cotton Research (CICR), the Union Agriculture and Farmers' Welfare Ministry said in a reply in the Rajya Sabha that the infestation has reduced from 30.62 per cent during 2017-18 to 10.80 per cent in 2022-23.

Pink bollworm infestation is seen in all the cotton-growing areas of north, central and south zone across the country, it said.

On the efforts made to address this menace, the Ministry said the Central Insecticide Board and Registration Committee (CIB&RC) — regulatory body for processing of application for grant of registration of insecticides – has granted the registration of 50 insecticide formulations for the control of pink bollworm and bollworm complex.

CIB&RC has also granted the registration of pheromone [PB Rope L (Gossyplure) pheromone dispenser] to monitor and trap the pink bollworm population.

Besides, the Directorate of Plant Protection Quarantine and Storage regularly issues advisories for management of pink bollworm. Farmer field schools on cotton crop are also being conducted on adoption of integrated pest management approaches for management of pink bollworm.

Desi cotton's tolerance

To a separate query on "desi" cotton, the Ministry said different studies have found that ''desi" cotton species Gossypium arboreum is immune to cotton leaf curl virus disease; comparatively tolerant to sucking pests (whitefly, thrips and jassids), and diseases (bacterial blight and alternaria diseases); but susceptible to grey mildew disease. Desi cotton species also show tolerance to moisture stress.

On the staple length, the Ministry's reply said of the 77 Gossypium arboreum cotton varieties released for commercial cultivation in various cotton growing zones / States of the country, four long linted varieties such as PA 740, PA 810, PA 812 and PA 837, developed by the Parbhani-based Vasantrao Naik Marathwada Krishi Vidyapeeth (VNMKV), are having 28-31 mm staple length; and rest 73 varieties have staple length in the range of 16-28 mm.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

New LC clause raises concerns by US apparel buyers.
Garment factory owners are worried as a US clothing retailer recently said it would not process transactions involving "any country, territory, party" sanctioned by the UN, US, EU or UK. This was mentioned in a Letter of Credit (LC) issued to an apparel exporter in Bangladesh last month.

Cotton crop has been damaged due to unseasonal rain in Adilabad district.
Many cotton farmers have suffered losses due to untimely rains and foggy weather in the then Adilabad district during the last two days. The cotton crop standing in the fields has become drenched. There is a possibility of the bolls turning black. There will not be much demand for such high moisture cotton in the market.

Bangladesh starts demo trial cultivation of BT cotton
Transgenic varieties are being grown in 13 production areas, 5 research centers The US Department of Agriculture (USDA) has said that Bangladesh has conducted "performance trials" of two varieties of Bt (Bacillus thuringiensis) cotton in 13 production areas and five cotton research centers. Limited cultivation has been started for.

CCI agrees to buy cotton at MSP, but sets conditions
BATHINDA: The Cotton Corporation of India (CCI) on Tuesday assured farmers in Abohar that it will resume cotton procurement in the local grain market from December 7, but imposed two conditions - the cotton cannot be of inferior quality. And the weight of the crop in one heap cannot exceed 30 quintals.

Brazil's cotton production growth: increasing production and global dominance in 2023/24
Marking a historic milestone, Brazil's cotton sector is expected to produce a record-breaking 14.7 million bales in the marketing year 2023/24, which would surpass the United States. Driven by optimal weather conditions and a strategic shift in marketing timelines, the strength of Brazilian cotton is set to reshape global trade dynamics, with exports increasing to 11 million bales and ending stocks that will be lost in the international cotton market. Shows the influential role of the country.

Cotton Physical Market: There was an increase in cotton prices in the first week of December.

This week was a positive one for the cotton physical market. Growth was seen in all three zones, North, South and Central.

In the North Zone, a decline of Rs 50 per maund was seen in Punjab and Upper Rajasthan. Whereas in Haryana an increase of Rs 100 per maund was seen.

In the central zone, an increase of Rs 400, 200 and Rs 200 per kandi was seen in Gujarat and Madhya Pradesh. Whereas Maharashtra remained stable.

Growth continued in the South Zone market also. An increase of Rs 500, Rs 1000 and Rs 800 per kandi was seen in Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana respectively. Odisha market remained stable

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 09.12.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	04.12.23		09.12.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,325	5,425	5,400	5,475	50
HARYANA	27.5/28	5,200	5,200	5,250	5,350	150
UPER RAJASTHAN	28	5,000	5,400	5,000	5,450	50
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54,800	55,500	55,700	55,900	400
MADHYA PRADESH	29	54,500	55,000	54,800	55,200	200
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,500	55,500	55,000	55,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	56,200	56,300	56,100	56,300	0
KARNATAKA	29.5/30 mm	54,500	55,000	55,200	55,500	500
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	53,500	54,500	54,000	55,500	1,000
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	55,500	55,600	55,800	56,400	800

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy